मासिक ई-समाचार पत्रिका
नवम्बर-2022

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848 125, बिहार

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

खंड–3, अंक–11
नवम्बर, 2022

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
पी. कु. प्रणव
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कुमार पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार
कामदेव कुमार पाल

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंन्द्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

सर्वप्रथम, मैं अपने प्रिय छात्रों और शिक्षकों तथा समस्त विश्वविद्यालय परिवार को दशहरा, दीपावली और छठ पूजा की शुभकामनाएं देता हूँ। ईश्वर से मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम सभी को स्वस्थ रखें एवं यह सभी पर्व विश्वविद्यालय से जुड़े सभी लोगों के लिए सुखद रहे।

पदभार ग्रहण के पश्चात प्रारंभिक एक महीना विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी, मूल्यांकन और विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों और इकाइयों में चल रही गतिविधियों को जानने तथा आवश्यक चुनौतियों पर तत्काल ध्यान देकर उनके समाधान के प्रयासों में व्यतीत हुआ। इन जानकारी और मूल्यांकन में सामने आने वाले हर मुद्दे और चुनौतियों का समाधान करने के लिए लघु कालीन, मध्य कालीन और दीर्घकालीन लक्ष्यों को तय किया जाना सुनिश्चित किया गया। प्रभावी, कुशल और पारदर्शी प्रशासन, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और अनुसंधान सुनिश्चित करने हेतु तथा सुशासन और सशक्त निर्णय लेने हेतु विश्वविद्यालय में व्यापक डिजिटलीकरण और स्वचालन की योजना बनाई जा रही है। संसाधन और प्रक्रिया अनुकूलन को बढ़ाने के लिए ई-ऑफिस और ई.आर.पी. (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) को लागू करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है। मुझे पूरी उम्मीद है कि ये कदम विश्वविद्यालय में सकारात्मक बदलाव और सशक्त वातावरण का निर्माण करेंगे, जिससे प्रमुख राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग, बेहतर विश्वविद्यालय रैंकिंग सहित विश्वविद्यालय की दृश्यता भी बढ़ेगी।

मैं विश्वविद्यालय में सभी से अपनी गतिविधियों और जुड़ाव के हर क्षेत्र में बदलाव और बेहतरी के लिए काम करने और इस विरासत संस्थान का हिस्सा होने पर गर्व महसूस करने की अपील करना चाहता हूँ।

जय हिन्द!

डॉ. पी. एस. पाण्डेय

शिक्षा और शैक्षणिक गतिविधियाँ

➢ **"प्रभावी शासन और एफपीओ के प्रचार" पर बामेती द्वारा प्रायोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम"** कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान ने दिनांक 29-30 सितंबर, 1 अक्टूबर, 2022 के दौरान 'प्रभावी शासन और एफपीओ के प्रचार' पर बामेती से प्रायोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। माननीय कुलपति, डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई और एफपीओ के क्षेत्र में योगदान देने की भावना के साथ सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। डॉ. मोहित शर्मा ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया और पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान गतिविधियों का समन्वय किया। कार्यक्रम में क्षेत्रिय स्तर पर ज्ञान को लागू करने की समझ के साथ-साथ प्रतिभागियों को एफपीओ की बुनियादी बातों के प्रति अवगत कराया गया।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** ने दिनांक 1-15 अक्टूबर 2022 तक विभिन्न विभागों में "स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान का आयोजन किया। तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लिया।

➢ **विश्वविद्यालय पुस्तकालय** द्वारा दिनांक 1-15 अक्टूबर 2022 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान का आयोजन किया गया जिसमे पुस्तकालय के अंदर, बहार तथा आसपास के इलाकों को स्वच्छ किया गया तथा स्वच्छता को कैसे बनाये रखें इस बात पर विशेष बल दिया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष एवं पुस्तकालय के कर्मचारियों ने भाग लिया।

➢ **दिनांक 01.10.2022 को अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** की अध्यक्षता में शिक्षक परिषद, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

➢ **मशीनीकरण प्रशिक्षण "कृषि मशीनरी सेवा और रख-रखाव तकनीशियन"** कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय में क्रमशः 10 और 19 अक्टूबर 2022 को "कृषि मशीनरी सेवा और रखरखाव तकनीशियनों" के लिए 26 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया। कृषि मशीनरी और उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए एक सेवा प्रदाता बनाने के लिए डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, डॉ. एस. के पटेल, विभागाध्यक्ष, कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग सहित महाविद्यालय के संकाय सदस्य और कर्मचारी उपस्थित रहे।

➢ **आई.एस.ए.ई कैलेंडर कॉन्सेप्टथॉन** बाजरा के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष 2023 को मनाने के लिए भारतीय कृषि अभियन्ता संघ नई दिल्ली द्वारा आई.एस.ए.ई कैलेंडर कॉन्सेप्टथॉन का आयोजन किया गया था। 'इंजीनियरिंग इनोवेशन फॉर मिलेट' पर कैलेंडर कॉन्सेप्टथॉन में दूसरा और तीसरा पुरस्कार क्रमशः डॉ. विशाल कुमार और डॉ. एस.के. के पटेल, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय ,रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने प्राप्त किया।

➢ **डॉ. पी. एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** द्वारा दिनांक 14/10/2022 को ढोली परिसर का दौरा किया गया, इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय के शिक्षकों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, निदेशक अनुसंधान एवं निदेशक, बीज एवं फार्म भी उपस्थित रहे।

➢ **डॉ. ए. के. सिंह, निदेशक, गन्ना अनुसंधान संस्थान, रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा,** बिहार ने चीनी और एकीकृत उद्योगों पर आयोजित 7वें आई.ए.पी.एस.आई.टी अंतर्राष्ट्रीय चीनी सम्मेलन में "गन्ना उत्पादन और प्रसंस्करण मॉडल के माध्यम से आय और रोजगार सृजन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम भा.कृ.अनु.प.-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, में 16-19 अक्टूबर 2022 तक आयोजित किया गया जिसके तकनीकी सत्र -1 की अध्यक्षता भी उन्होंने की।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों की अंतिम सत्र परीक्षा दिनांक 17.10.2022 से 27.10.2022 तक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने वार्षिक परीक्षा के सुचारू संचालन और आंतरिक ग्रेड शीट को समय पर जमा करने के लिए सभी संकाय सदस्यों की सराहना की।

➢ **प्रसार शिक्षा विभाग,** तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने दिनांक 25.10.22 से 01.11.22 तक RAWE कार्यक्रम के तहत 7वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए जनरल ओरिएंटेशन और कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष मनाया गया** दिनांक 14.10.2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष मनाने के लिए प्रक्षेत दिवस सह बाजरा प्रदर्शनी और बीज वितरण का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति सहित सभी अधिष्ठाता और निदेशकों ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया। लघु कंदो पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के संबद्ध वैज्ञानिक और तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। माननीय कुलपति ने किसानों को बाजरे के बीज का वितरण किया। उन्होंने किसानों को खेतों में बाजरा उगाने और दैनिक आहार में शामिल करने पर जोर दिया।

➢ **वैज्ञानिकों ने आलू पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 40 वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया** तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के आलू पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना से जुड़े वैज्ञानिक दिनांक 7-9 अक्टूबर 2022 को शेर-ए-कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय श्रीनगर में आयोजित आलू उत्पादकों/कार्यकर्ताओं की 40वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया। उनके चल रहे परीक्षणों और भविष्य की कार्रवाई पर विस्तार से चर्चा की गई।

➢ **गन्ने पर भा.कृ.अनु.प.**-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 34वीं द्विवार्षिक कार्यशाला में वैज्ञानिकों ने भाग लिया। गन्ने पर भा..कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों ने हाइब्रिड मोड के माध्यम से भा..कृ.अनु.प -भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में आयोजित 34वीं द्विवार्षिक कार्यशाला में भाग लिया और अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यशाला में निदेशक, गन्ना अनुसंधान संस्थान, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा भी उपस्थित रहे।

➢ **कृषि ड्रोन प्रौद्योगिकी पर प्रदर्शनी और फील्ड प्रदर्शन का आयोजन** बिहार के मोकामा ताल क्षेत्र में ड्रोन प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के लिए 13 अक्टूबर 2022 को बरहिया में विल एग्रो के सहयोग से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इफको, एन.एफ.एल और बायर के प्रतिनिधियों के साथ लगभग 300 किसान प्रतिभागी वहां मौजूद रहे।

➢ **मोकामा ताल क्षेत्र में मसूर की फसल की समस्या का शीघ्र समाधान** प्रधान अन्वेषक, एफ.आई.एम, भा. कृ. अनु. प. - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा ने मसूर की फसल की कटाई की निगरानी के लिए 7 अक्टूबर 2022 को मोकामा ताल क्षेत्र में मसूर के खेतों का दौरा किया। इस जानकारी का उपयोग मसूर हारवेस्टर के विकास पर उनके चल रहे शोध के लिए किया जाएगा, जिसे एफ.आई.एम पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के सहयोग से विकसित किया जा रहा है।

➢ **कस्टम हायरिंग सर्विस सेंटर के प्रतिनिधियों का कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा** का दौरा समस्तीपुर में संचालित 18 कस्टम हायरिंग सेवा केंद्रों के 26 प्रतिनिधियों के एक समूह ने 15 अक्टूबर 22 को महिला किसान दिवस पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा का दौरा किया। समस्तीपुर जिले के विलएग्रो और सहायक निदेशक (कृषि अभियांत्रिकी) के प्रतिनिधि सहित एफ.एम.पी.ई विभाग के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज** में परिसर में गुणवत्तापूर्ण गन्ना बीज उत्पादन पर ग्रामीण युवाओं के प्रशिक्षण का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों को इस प्रशिक्षण से गन्ने में प्रमाणित बीज उत्पादन की बारीकियों और ऑनलाइन प्रमाणन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देकर लाभान्वित किया गया। प्रतिभागियों ने कृषि विज्ञान केंद्र के प्रदर्शन प्लाट पर गन्ना कैफेटेरिया में गन्ने की 18 विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में कुल 30 ग्रामीण युवकों ने भाग लिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर** ने विषय वस्तु विशेषज्ञ, पौध संरक्षण, कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर की देखरेख में 11-13 अक्टूबर 2022 तक "मशरूम की खेती" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। सीप मशरूम की खेती और विभिन्न तरीकों से बटन मशरूम खाद तैयार करने के बारे में इक्कीस किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ हीं बटन मशरूम कंपोस्ट तैयार करने के लिए ऑन-कैंपस तकनीकी मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किया। मशरूम उत्पादक महिला कृषक समूह द्वारा गांव सुंदरपुर खरौना में बटन मशरूम खाद तैयार करना शुरू किया गया है। अभ्यास करके बेहतर परिणाम लाने हेतु किसानों के समर्थन से कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर में एक और बटन मशरूम खाद तैयार करने का कार्यक्रम शुरू किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली,** बिरौली एवं तुर्की द्वारा दिनांक 17.10.2022 को किसान गोष्ठी सह पी.एम किसान सम्मान निधि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में संबंधित के.वी.के में 10 गणमान्य व्यक्तियों के साथ 1274 से अधिक किसानों और खेतिहर महिलाओं ने भाग लिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली** द्वारा दिनांक 26.10.2022 को पातेपुर प्रखंड के नीरपुर गांव में किसान एवं कृषक महिलाओं को जल संरक्षण की विधि के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु एक दिवसीय ऑफ कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 50 किसानों ने भाग लिया।

➢ **प्रसार शिक्षा निदेशालय,** कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की, वैशाली और बिरौली ने संयुक्त रूप से दिनांक 15.10.2022 को प्रसार शिक्षा निदेशालय ,रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में राष्ट्रीय महिला किसान दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन में माननीय कुलपति महोदय डॉ. पी. एस. पाण्डेय सहित डॉ. एम. एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. पी. एस. ब्रह्मानंद, निदेशक अनुसंधान और अन्य प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में 320 से अधिक कृषि महिलाओं ने भाग लिया। माननीय कुलपति ने सरकार की योजनाओं, कृषि महिलाओं के लिए नवीन प्रौद्योगिकी, और रोजगार सृजन के लिए ग्राम स्तर पर उद्यमिता विकास के बारे में विस्तार से चर्चा की।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की** ने दिनांक 19.10.2022 को कृषि विज्ञान केंद्र पिपराकोठी में सी.आर.ए द्वारा अपनाए गए किसानों, विभिन्न इकाइयों और कृषि विज्ञान केंद्र पिपराकोठी में सी.आर.ए प्रौद्योगिकियों के लिए एक्सपोजर विजिट किया। इस कार्यक्रम में 40 किसानों ने भाग लिया।

पुरस्कार, खेल और अन्य गतिविधियाँ

➢ **सुश्री यशी, मत्स्य विज्ञान (स्नातक) (बैच 2018-19)** को इंटरनेशनल कांफ्रेंस ओंन रेस्पोंसिबल एक्वाकल्चर एंड सस्टेनेबल फिशरीज इंटरैक्ट (राशी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ मत्स्य स्नातक-2022 के लिए "प्रो. जे. आर. धंजे मेमोरियल अवार्ड" मिला।

➢ **श्री पंकज कुमार सिंह, मत्स्य विज्ञान (स्नातक) (बैच 2018-19)** ने प्रोफेशनल फिशरीज ग्रेजुएट्स फोरम, भारत द्वारा आयोजित बेस्ट फिशरीज ग्रेजुएट्स ऑफ इंडिया-2022 की परीक्षा में 25 वे रैंक के अंदर पूर्वा शरण, सम्राट कुमार निराला, सोनाली सिंह, विनीत आनंद और अतुल कुमार सिंह के साथ 7 वां रैंक हासिल किया।

➢ **डॉ. एम.एल. मीना, वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख** को दिनांक 17-19 अक्टूबर, 2022 को उज्जैन, मध्य प्रदेश में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "सर्वश्रेष्ठ प्रसार वैज्ञानिक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया है।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की** की इप्सिता विश्वास, विषय वस्तु विशेषज्ञ (मत्स्य) को मत्स्य विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए "युवा वैज्ञानिक पुरस्कार" और दिनांक 17-19 अक्टूबर, 2022 को उज्जैन, मध्य प्रदेश में आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भारतीय कृषि में प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और रासायनिक खेती पर तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में "मछली पालन क्षेत्र में पिंजरे की खेती का महत्व: वर्तमान परिदृश्य और आगे की राह" पर एक प्रमुख वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया जिसमे उन्हें "सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति" से सम्मानित भी किया गया।